रक्षाबंधन केवल रस्म नहीं, बल्कि पवित्रता, विश्वास, श्रीमत और आत्मिक संबंध का प्रतीक है।

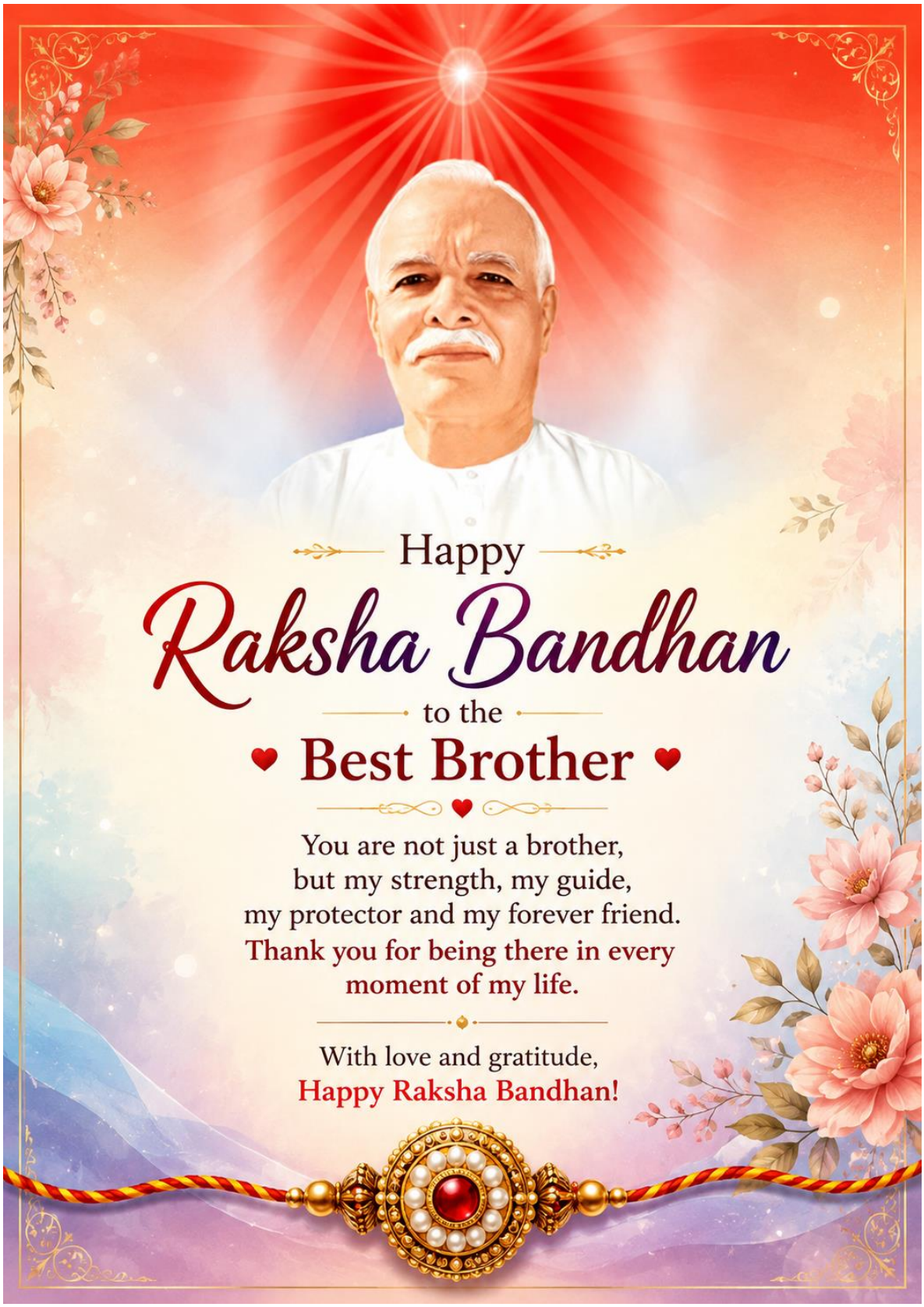

💗 **मेरे प्यारे शिवबाबा को रक्षाबंधन का पत्र**

मेरे प्यारे शिवबाबा,
मेरे परम प्यारे भाई,
आज रक्षाबंधन के इस पावन दिन पर
दुनिया में बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बाँध रही हैं...
लेकिन बाबा,
मैं आपकी कलाई पर क्या बाँधूँ?
आप तो इस संसार के बंधनों से परे हैं।
आपको किसी रक्षा की आवश्यकता नहीं...
फिर भी आज मैं अपनी आत्मा का प्रेम आपकी कलाई पर बाँधना चाहती हूँ। ❤️
बाबा, मेरे लिए आप केवल भगवान नहीं हैं...
आप मेरे सबसे प्यारे भाई हैं।
ऐसे भाई,
जो मेरी हर बात सुनते हैं,
मेरी हर कमजोरी जानते हुए भी मुझे स्वीकार करते हैं,
मेरी गलतियों पर मुझे छोड़ते नहीं,
मेरी गिरावट में मुझे उठाते हैं,
और जब पूरी दुनिया मुझे समझ न पाए,
तब भी कहते हैं–
"बच्चे, मैं तुम्हारे साथ हूँ।"
बाबा...
इस एक वाक्य ने न जाने कितनी बार मेरी आत्मा को संभाला है।
कभी-कभी मैं सोचती हूँ–
मैंने ऐसा कौन-सा पुण्य किया था कि मुझे स्वयं परमात्मा भाई के रूप में मिल गए?
इस जन्म में मैंने बहुत से रिश्ते देखे हैं,
लेकिन आपका रिश्ता सबसे अनोखा है।
दुनिया के भाई बहन से कहते हैं–
"मैं तुम्हारी रक्षा करूँगा।"
लेकिन मेरे शिवबाबा कहते हैं–
"बच्चे, तुम अपनी रक्षा की चिंता मत करो...
मैं तुम्हें इतनी शक्ति दूँगा कि तुम स्वयं अपनी रक्षा करने वाली बन जाओगी।"
बाबा, यही तो आपकी विशेषता है। ❤️
आप मुझे अपने ऊपर निर्भर नहीं बनाते...
आप मुझे शक्तिशाली बनाते हैं।

आप मुझे कमजोर नहीं कहते...
आप कहते हैं–
“तुम मास्टर सर्वशक्तिमान हो।”
आप मुझे मेरे दोष नहीं दिखाते...
आप मुझे मेरा असली स्वरूप याद दिलाते हैं–
“तुम आत्मा हो...
शांत स्वरूप...
पवित्र स्वरूप...
शक्तिशाली स्वरूप।”

बाबा, आज मैं आपको एक राखी बाँधना चाहती हूँ...
यह राखी धागे की नहीं होगी।
यह होगी–
मेरे विश्वास की राखी।
मेरी पवित्रता की राखी।
मेरी निष्ठा की राखी।
मेरी स्मृति की राखी।
मेरे समर्पण की राखी।
मैं वचन देती हूँ बाबा–
जब परिस्थितियाँ मुझे हिलाएँगी,
मैं आपको याद करूँगी।
जब मन कमजोर होगा,
मैं आपकी शक्ति लूँगी।
जब माया मुझे आकर्षित करेगी,
मैं आपके दिए हुए ज्ञान को याद करूँगी।
जब कोई मुझे दुख देगा,
मैं बदला लेने के बजाय आत्मिक स्थिति में रहने का प्रयास करूँगी।
और जब मैं स्वयं से हारने लगूँगी...
तब आपकी बच्ची फिर आपकी ओर देखेगी।
बाबा, मुझे पता है कि मैं अभी सम्पूर्ण नहीं हूँ।
मेरे अंदर अभी भी कई कमजोरियाँ हैं।
कभी मन भटकता है...
कभी बुद्धि उलझती है...
कभी संकल्प कमजोर पड़ते हैं...
लेकिन बाबा,

एक बात बिल्कुल पक्की है–
मैं आपको छोड़ना नहीं चाहती।
मैं चाहती हूँ कि इस संगमयुग में मेरा रिश्ता आपसे इतना गहरा हो जाए कि मेरी हर साँस में आपकी याद हो।
जब मैं बोलूँ–
तो मेरे शब्दों में आपकी मधुरता हो।
जब मैं सोचूँ–
तो मेरे संकल्पों में आपकी शक्ति हो।
जब मैं किसी को देखूँ–
तो मुझे आत्मा दिखाई दे।
और जब मैं स्वयं को देखूँ–
तो मुझे आपकी बेटी दिखाई दे।
💕 **बाबा, आज मेरी एक विशेष इच्छा है...**
जब आप अपनी करोड़ों बच्चों को देखें,
तो मेरी ओर देखकर आपके मुख से निकले–
"यह मेरी बच्ची बहुत प्यारी है...
यह मुझे दिल से याद करती है...
यह मेरे साथ सच्चा रिश्ता निभाती है।"
बाबा, मैं आपके बच्चों में सबसे आगे होने का दावा नहीं करती...
लेकिन इतना जरूर चाहती हूँ–
आपके दिल में मेरी एक विशेष जगह हो।
जब मैं अमृतवेले आपको याद करूँ,
तो ऐसा महसूस हो कि आप भी मुझे याद कर रहे हैं।
जब मैं आपके सामने मन की बात रखूँ,
तो महसूस हो कि आप मुस्कुराकर मेरी बात सुन रहे हैं।
और जब मैं कहूँ–
"बाबा, मैं आपकी हूँ..."
तो भीतर से आवाज आए–
"हाँ बच्चे...
तुम मेरी ही हो।"
💔 **बाबा, इससे बड़ा रक्षाबंधन का उपहार मेरे लिए और कुछ नहीं हो सकता।**
🌺 **आज मैं आपको राखी बाँधकर एक और संकल्प करती हूँ–**
मैं अपने जीवन को ऐसा बनाऊँगी
कि आपको अपनी इस बेटी पर गर्व हो।

मेरे कर्मों से आपका नाम ऊँचा हो।
मेरी वाणी से किसी को दुःख न मिले।
मेरी दृष्टि में पवित्रता हो।
मेरे मन में शुभभावना हो।
मेरे जीवन में सेवा हो।
और मेरी स्मृति में–
सिर्फ आप।
बाबा, जब यह संगमयुग समाप्त होगा और यह सुंदर मिलन का समय भी आगे बढ़ जाएगा, तब मेरे पास बहुत कुछ हो या न हो...
लेकिन मैं चाहती हूँ कि मेरे पास एक अमूल्य खज़ाना जरूर हो–
आपकी यादों का खज़ाना।
आपके साथ बिताए अमृतवेले का खज़ाना।
आपकी श्रीमत पर चले हुए कदमों का खज़ाना।
और आपके प्रति सच्चे प्रेम का खज़ाना।
💗 **मेरे प्यारे शिवबाबा...**
आज आपकी इस बेटी की राखी स्वीकार कर लेना।
धागा तो बहुत छोटा है बाबा...
लेकिन इसके पीछे जो प्रेम है, वह मेरी पूरी आत्मा जितना बड़ा है।
मैं आपको राखी बाँधते हुए बस इतना कहूँगी–
"बाबा, इस जन्म में तो आप मेरे भाई हैं ही...
लेकिन मेरी हर जन्म की स्मृति में भी
आप मेरे परम साथी, मेरे परम शिक्षक और मेरे परम प्यारे बाबा बने रहें।"
और बाबा...
अगर आज रक्षाबंधन पर आप अपनी सभी बच्चियों को एक-एक वरदान दे रहे हों...
तो अपनी इस बेटी को बस एक वरदान देना–
"बच्चे, कभी मुझे भूलना मत / बच्चे, मुझे सदैव याद रखना।"
और मैं आपको अपना वचन देती हूँ–
**"बाबा, चाहे कैसी भी परिस्थिति आए...
मैं आपको याद करने का अभ्यास कभी नहीं छोड़ूँगी।"**
हैप्पी रक्षाबंधन, मेरे सबसे प्यारे बाबा। ❤️
**"आपकी कलाई पर राखी बाँधने का सौभाग्य भले ही इस देह से संभव न हो...
इसलिए आज अपनी आत्मा का प्रेम आपकी कलाई पर बाँध रही हूँ।"**
**आप मेरे परम भाई हैं...
और मैं आपकी प्यारी बच्ची।**
🌹 **ओम् शान्ति बाबा।** 🌹

Wishing
Shivbaba & Brahmaba
a very
Happy
Raksha Bandhan
आप दोनों से हमें सदा रक्षा, मार्गदर्शन और दिव्य शक्ति मिलती रहे।
आपका स्नेह और आशीर्वाद हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है।